Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MAS-304

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination Jan. – Feb – 2022

एम.ए. संस्कृत साहित्य, सत्रार्द्ध : तृतीय
संस्कृत, प्रश्न-पत्र : चतुर्थ
काव्यशास्त्र

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. आचार्य मम्मटानुसारं 'काव्यस्वरूप' विवेच्यताम्।
2. काव्यप्रकाशानुसारं लक्षणायाः लक्षणं तद्भेदाश्च प्रतिपाद्यताम्।
3. आचार्य आनन्दवर्धन प्रतिपादितं ध्वनिस्वरूपं समीक्ष्यताम्।
4. 'नियतिकृतनियमरहितां .....' इत्यस्य पूर्तिः कृत्वा वैशद्येन व्याख्या कार्या।
5. निम्नलिखितायाः कारिकायाः व्याख्या विधेया –
   'अविवक्षितवाच्यो यस्तत्र वाच्यं भवेद् ध्वनौ।
   अर्थान्तरे सङ्क्रमितमत्यन्तं वा तिरस्कृतम्।।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. 'प्रयोजनेन सहितं लक्षणीयं न युज्यते' इत्यस्य व्याख्या कार्या।
7. 'अतादृशि गुणीभूतव्यङ्ग्ये तु मध्यमम्' इति कथनस्य व्याख्या विधेया।
8. व्याख्या कार्या – 'साक्षात्संकेतितं योऽर्थमभिधत्ते स वाचकः'।
9. कयोरपि द्वयोः अलंकारयोः लक्षणोदाहरणे लिख्यताम् – यमक, अनुप्रास, श्लेष, समासोक्ति।
10. कयोरपि द्वयोः अलंकारयोः लक्षणोदाहरणे लिख्यताम् – उत्प्रेक्षा, रूपक, अर्थान्तरन्यास, विभावना।
11. 'तस्याभावं जगदुरपरे' इत्यस्य समीक्षा विधेया।
12. ध्वन्यालोकानुसारं प्रतीयमान अर्थस्य तात्पर्यं लिख्यताम्।

----------x----------